



कर्नाटक सरकार

हिंदी सुमन

प्रथम भाषा - हिंदी
First Language Hindi

Part - 2

2

दूसरी कक्षा
Second Standard

Karnataka Textbook Society (R.)

6th Cross, Malleshwaram,
Bengaluru - 560 003.

अनुक्रमणिका



क्र.सं	पाठ का नाम	विधा	पृ.सं.
९.	ट्रैफिक लाइट	कविता	1
१०.	श्रवणकुमार	कहानी	4
११.	वचन का पालन	कहानी	13
१२.	संगी-साथी	कविता	20
१३.	भारतरत्न सर. एम. विश्वेश्वरय्या	गद्य	29
१४.	पक्षीधाम	गद्य	33
१५.	तीनों बंदर महाधुरंधर	कविता	38
१६.	सविता की बहादुरी	कहानी	45

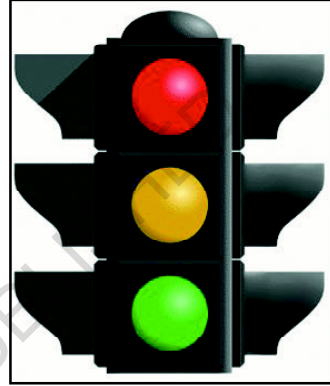
ट्रैफ़िक लाइट



-संकलित

इस कविता के द्वारा बच्चे ट्रैफ़िक के नियम जान सकते हैं ।

लाल बत्ती कहती है,
रुको भाई, रुको भाई ।
पीली बत्ती कहती है
अब तैयार हो जाओ भाई ।
हरी बत्ती कहती है
अब देर हो गई चलो भाई ।
ट्रैफ़िक बत्ती हमें समझाती है।
जल्दी नहीं करो भाई ।
क्योंकि जल्दी में हो जाती
अक्सर हमसे गलती भाई ।



अभ्यास

अ) एक वाक्य में उत्तर लिखो:

१. लाल बत्ती क्या कहती है ?

.....

२. पीली बत्ती क्या कहती है ?

.....

३. हरी बत्ती क्या कहती है ?

.....

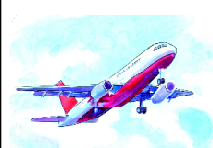
४. हमसे जल्दी में अक्सर क्या हो जाती है ?

.....

आ) तुम सड़क पर जाते समय लाइट को देखकर क्या-
क्या करोगे? सही वाक्य के सामने सही (✓) चिह्न
और गलत वाक्य के सामने गलत (×) चिह्न लगाओ:

१. लाल बत्ती आगे जाने को कहती है । ☐
२. पीली बत्ती तैयार होने को कहती है । ☐
३. ट्रैफ़िक बत्ती हमें जल्दी करने को कहती है । ☐
४. जल्दी में गलती नहीं होती । ☐

इ) तुमने इनमें से किस पर सवार किया है ? सही जगह
पर हाँ (✓) या नहीं (×) का निशान लगाओ:

सवारी	मैंने सवारी की है	मैंने सवारी नहीं की है
		
		
		

ई) पढ़ो और लिखो :

१. बत्ती		
२. रुको		
३. पीली		
४. तैयार		
५. जल्दी		
७. अक्सर		
८. गलती		

उ) नमूने के अनुसार शब्द बनाओ :

पीला	-	पीली
हरा	-	
गलत	-	
जल्द	-	
खूब	-	

कविता से आगे - ट्रैफ़िक के नियमों के बारे में और जानकारी प्राप्त करो।

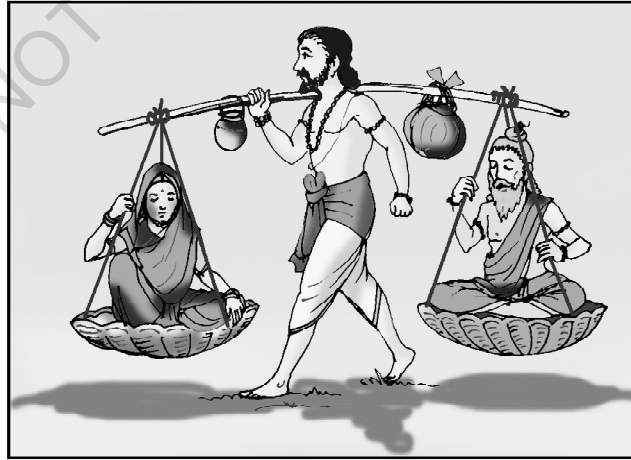




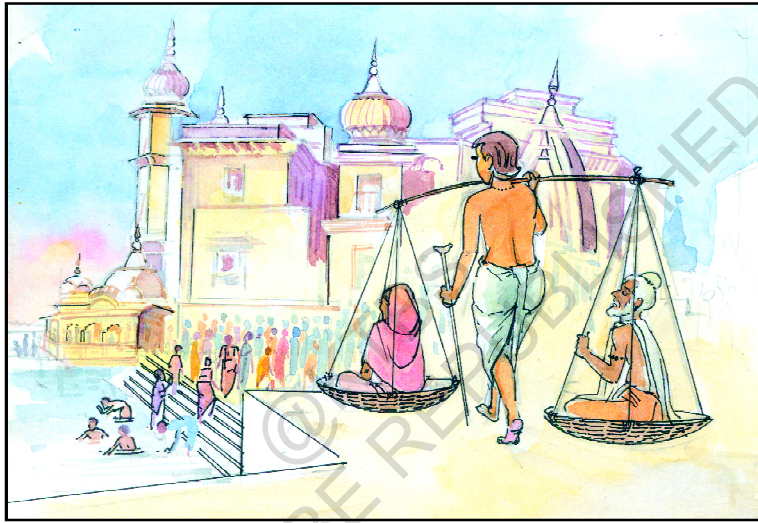
प्रस्तुत पाठ में बच्चों को माता-पिता की सेवा का आदर्श बताया गया है।

बच्चो, तुम सब जानते हो कि माँ-बाप भगवान के समान हैं। भगवान के प्रति हम जो श्रद्धा और भक्ति दिखाते हैं, वैसी ही श्रद्धा और भक्ति हमें अपने माता-पिता के प्रति भी दिखानी चाहिए। रामायण में एक छोटी-सी कहानी है जो हमें माता-पिता की भक्ति का पाठ पढ़ाती है। श्रवणकुमार की कहानी इसका एक सुंदर उदाहरण है।

श्रवणकुमार एक युवक था। उसके माता-पिता बूढ़े थे, अंधे भी थे। वे पुण्यधामों की यात्रा करना चाहते थे। उन्होंने अपनी इच्छा अपने प्रिय पुत्र को बतायी। श्रवणकुमार ने उनकी इच्छा की पूर्ति करने का निश्चय किया। श्रवणकुमार अपने माता-पिता को काँवर में बिठाकर, उसे अपने कंधे पर उठाकर यात्रा के लिए निकल पड़ा।



श्रवणकुमार अपने माता-पिता का बड़ा आदर करता था। वह उन्हें तीर्थस्थानों पर ले गया। उनको बड़ा आनंद मिला। श्रवणकुमार ने अपने बूढ़े माँ-बाप की दिन-रात सेवा की। उसने तीर्थयात्रा के समय कई मुसीबतों का सामना किया। बिना डरे यात्रा जारी रखी। इस प्रकार वह माता-पिता की सेवा का आदर्श बन गया।



शब्दार्थ :

काँवर – बहंगी, कन्नड में ‘कावड़ी’ कहते हैं ; आदर – सम्मान, इज्जत ; तीर्थयात्रा – पुण्य क्षेत्रों को देखने का कार्यक्रम, मुसीबत – संकट, कष्ट; आदर्श – नमूना।

अभ्यास

क) नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखो:

१. माँ-बाप को हम किसके समान मानते हैं ?
.....
२. भगवान के प्रति हम मन में कैसी भावना रखते हैं?
.....
३. श्रवणकुमार के माता-पिता कैसे थे ?
.....
४. श्रवणकुमार ने किसकी इच्छा पूरी की ?
.....
५. श्रवणकुमार के माता-पिता की क्या इच्छा थी ?
.....
६. श्रवणकुमार अपने माता-पिता को तीर्थयात्रा पर कैसे ले चला ?
.....
७. श्रवणकुमार ने अपने माता-पिता की सेवा कैसे की?
.....
८. श्रवणकुमार किस बात का आदर्श बन गया ?
.....

ख) खाली जगह भरो:

१. माँ-बाप के समान हैं ।
२. भगवान के प्रति हम रखते हैं ।
३. की कहानी माता और पिता की सेवा का पाठ पढ़ाती है ।
४. श्रवणकुमार के माता-पिता और थे ।
५. श्रवणकुमार अपने माता-पिता को में बिठाकर, उसे अपने पर उठाकर निकल पड़ा ।
६. श्रवणकुमार ने अपने बूढ़े माँ-बाप की दिन-रात की ।
७. श्रवणकुमार ने तीर्थयात्रा के समय कई का सामना किया ।

ग) विलोम शब्द लिखो:

१. आदर ×
२. अपना ×
३. दिन ×
४. सुंदर ×
५. प्रिय ×

घ) सही जोड़े मिलाओ:

- | | |
|--------------------|-------------------------------|
| १. श्रवणकुमार | १. बूढ़े और अंधे थे। |
| २. माता-पिता | २. पुत्र को बता दी। |
| ३. अपनी इच्छा | ३. माता-पिता का आदर करता था । |
| ४. श्रवणकुमार अपने | ४. दिन-रात की। |
| ५. माँ-बाप की सेवा | ५. सामना किया। |
| ६. मुसीबतों का | ६. युवक था। |

ड) अन्य वचन रूप लिखो :

- | | |
|-----------|---------|
| १. बच्चा | - |
| २. कहानी | - |
| ३. अंधा | - |
| ४. इच्छा | - |
| ५. मुसीबत | - |

च) अन्य लिंग रूप लिखो :

- | | |
|----------|---------|
| १. माता | - |
| २. युवक | - |
| ३. बूढ़ा | - |
| ४. अंधा | - |
| ५. पुत्र | - |

छ) नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। इन शब्दों की मदद से वाक्य बनाओ :

१. भगवान
.....

२. श्रद्धा और भक्ति
.....

३. उदाहरण
.....

४. माता-पिता
.....

५. तीर्थस्थान
.....

६. मुसीबत
.....

७. सेवा
.....

८. आदर्श
.....

ज) समान अर्थवाले शब्द लिखो :

१. भगवान
२. यात्रा
३. पुण्यधाम
४. इष्ट
५. मुसीबत

झ) सही रूप के सामने (✓) चिह्न लगाओ :

- | | | | |
|----------------|--------------------------|-------------|--------------------------|
| १. श्रद्धा | ☐ | श्रद्धा | ☐ |
| २. भक्ती | ☐ | भक्ति | ☐ |
| ३. मात | ☐ | माता | ☐ |
| ४. पुण्यधाम | ☐ | पूण्यधम | ☐ |
| ५. कावर | ☐ | काँवर | ☐ |
| ६. स्थान | ☐ | स्तान | ☐ |
| ७. मुसिबत | ☐ | मुसीबत | ☐ |
| ८. तीर्थयात्रा | ☐ | तिर्थयात्रा | ☐ |

ञ) नीचे लिखे वाक्यों को सही क्रम से लिखो:

१. समान माँ-बाप भगवान के हैं ।

.....

२. कहानी रामायण है में सी छोटी एक ।

.....

३. था एक युवक श्रवणकुमार ।

.....

४. बूढ़े माता-पिता थे उसके ।

.....

५. डरे रखी यात्रा जारी बिना ।

.....

पाठ से आगे-

ट) उचित शब्द चुनकर खाली जगह भरो :

(किसने, किसे, क्या, किसकी, किससे, कौन)

१. तुम्हें खरीदना है?

२. तुम्हारे साथ जाएगा?

३. मुझे बुलाया?

४. तुम मिलना चाहते हो?

५. वे बुलाएँगे?

६. यह पुस्तक है?

ठ) सही वाक्य बनाओ:

उदा : वह आम खाता है।

वह		खाता हूँ।
वे		खाता है।
तू	आम	खाते हैं।
तुम		खाते हो।
आप		
मैं		
हम		

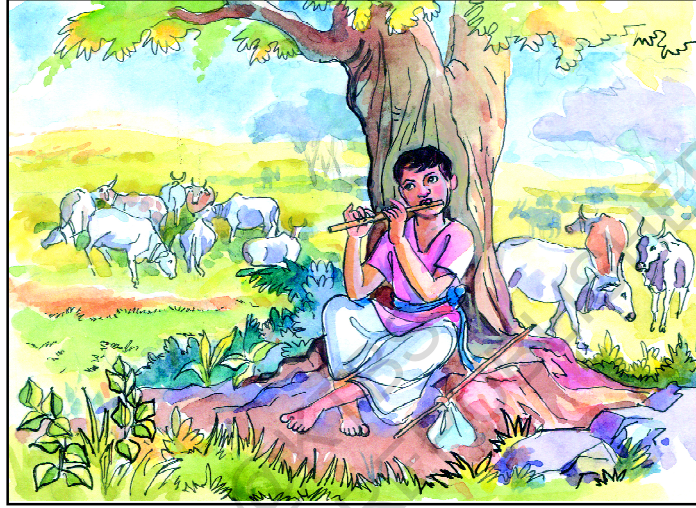
१.
२.
३.
४.
५.
६.
७.



वचन का पालन



छात्र वचन पालन का महत्व जानेंगे



कर्नाटक के एक गाँव में कालिंग नाम का एक ग्वाला रहता था। वह हर रोज़ सुबह नदी में स्नान करके माथे पर तिलक लगाकर गायें चराने जंगल जाता था। गायें जंगल में घास चरती थीं। चरते-चरते गायें जंगल में दूर तक चली जाती थीं।

कालिंग उन गायों को शाम के समय बाँसुरी बजाकर अपने पास बुलाता था। कालिंग की बाँसुरी की मीठी आवाज़ सुनकर गायें उसके पास आती थीं।

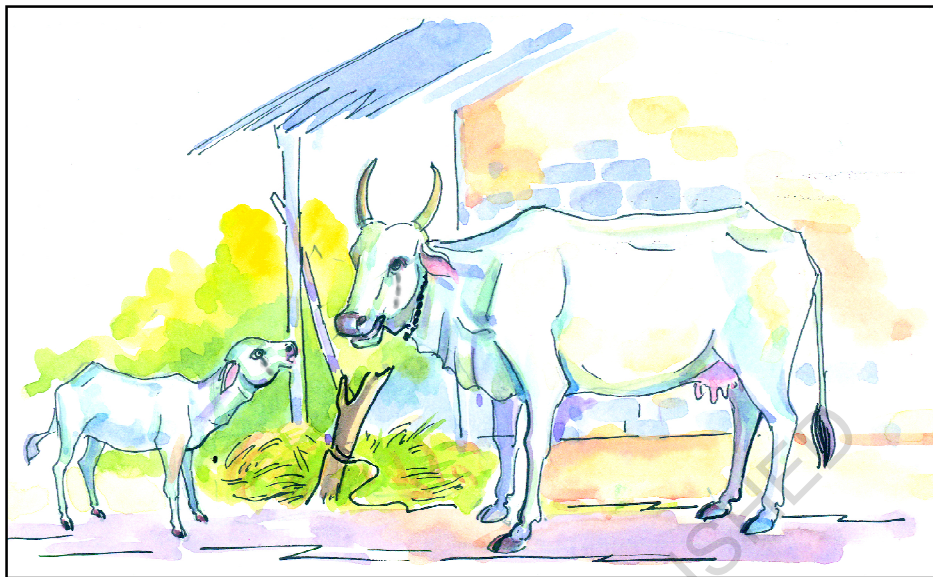
गायों के प्रति उसका प्रेम था। पुण्यकोटि नाम की गाय को सहसा अपने बछड़े की याद आई जो भूखा था। वह अपने बछड़े को दूध पिलाने जल्दी-जल्दी आने लगी। एक बाघ पुण्यकोटि पर आक्रमण

करने तैयार हुआ। तब पुण्यकोटि ने कहा-“मेरा बछड़ा भूखा है। वह दूध पीने मेरी राह देख रहा है। मैं उसे दूध पिलाकर तुरंत लौटूंगी। तब तक मेरी प्रतीक्षा करना।”



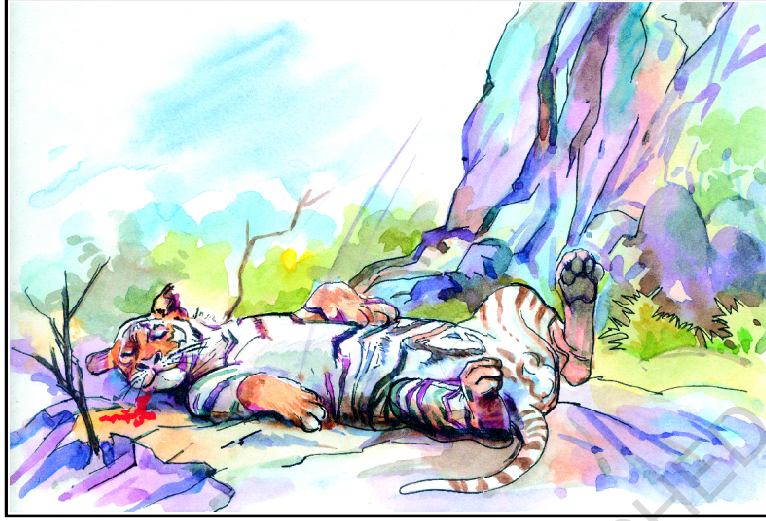
तब बाघ ने कहा - “तुम्हारी बात पर मैं विश्वास नहीं करूँगा, जो हाथ से छूट जाता है वह वापस नहीं लौटता। इसलिए मैं अभी तुम्हें खा लूँगा।” तब पुण्यकोटि ने कसम खाई कि, “मैं ऐसी नहीं हूँ। जो कहूँगी वही करूँगी। सत्य मेरे माता - पिता हैं। सत्य ही मेरे बंधु-बांधव हैं। सत्य से हटकर मैं चलूँगी तो भगवान भी मुझे माफ़ नहीं करेगा।” इस प्रकार पुण्यकोटि ने भरोसा दिलाया। पुण्यकोटि की बात पर विश्वास करके बाघ ने उसे जाने दिया।

बछड़ा भूख के मारे माँ का इंतज़ार कर रहा था। पुण्यकोटि ने आकर उसे प्यार से दूध पिलाया। बाद में उसने बीती घटना सुनाकर बछड़े से कहा कि, “मुझे अपने वचन के अनुसार बाघ के पास जाना है।”



माँ की बातें सुनकर बछड़े की आँखों से आँसू बरसने लगे । उसने माँ से कहा – “माँ, अगर तुम बाघ का आहार बनोगी तो मैं अनाथ हो जाऊँगा । इसलिए मुझे छोड़कर मत जाना ।” पुण्यकोटि ने दुखी बछड़े को यों समझाया – “बेटा ! मैंने बाघ को वचन दिया है । मुझे अपने वचन का पालन करना ही है ।” पुण्यकोटि अपने बछड़े को पुचकारकर जंगल की ओर निकल पड़ी ।

इधर जंगल में बाघ गाय की राह देख रहा था । उसी समय पुण्यकोटि बाघ के पास पहुँचकर उससे यों कहने लगी – “हे बाघ राजा ! लो, मैं अपने वचन का पालन करने आई हूँ । अब तुम मुझे खाकर अपना पेट भर लो ।” पुण्यकोटि की यह बात सुनकर बाघ लजा गया । उसकी आँखों से आँसू टपक पड़े । उसने कहा – “बहन, अब मैं तुम्हें खाऊँगा नहीं । तुम्हें खाऊँ तो मुझे भगवान माफ़ नहीं करेगा ।” इतना कहकर उसने टीले से कूदकर अपनी जान दे दी ।



शब्दार्थ :

ग्वाला – गाय चरानेवाला, प्रतीक्षा – इंतज़ार, कसम – शपथ,
आक्रमण – टूट पड़ना, हमला करना; पुचकारना – प्यार से सहलाना।

अभ्यास

क) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखो :

१. ग्वाले का नाम क्या था ?
.....
२. ग्वाला हर रोज़ क्या करता था?
.....
३. गायें चरते-चरते कहाँ जाती थीं?
.....
४. पुण्यकोटि ने बाघ से क्या कहा?
.....

५. बछड़े ने अपनी माँ से क्या कहा ?

.....

.....

.....

६. जंगल की ओर जाते समय पुण्यकोटि ने बछड़े से क्या कहा?

.....

.....

७. जंगल लौटने के बाद पुण्यकोटि ने बाघ से क्या कहा?

.....

.....

८. पुण्यकोटि की ईमानदारी देखकर बाघ ने क्या किया?

.....

.....

.....

९. इस कहानी का संदेश क्या है ?

.....

.....

ख) खाली जगह भरो :

(आँसू, मीठी आवाज़, पुण्यकोटि, वचन, इंतज़ार)

१. कालिंग की बाँसुरी की सुनकर गायें जंगल से लौटती थीं ।
२. बाघ पर आक्रमण करने तैयार हुआ ।
३. बछड़ा भूख के मारे माँ का कर रहा था ।
४. मुझे का पालन करना है ।
५. उसकी आँखों से टपकने लगे ।

ग) उत्तर लिखो :

१. “मेरा बछड़ा दूध पीने मेरी राह देख रहा है।”
किसने कहा ?
.....

किससे कहा ?
.....

२. “माँ ! अगर तुम बाघ का आहार बनोगी तो मैं अनाथ हो जाऊँगा।”
किसने कहा ?
.....

किससे कहा ?
.....

३. “अब तुम मुझे खाकर अपना पेट भर लो।”

किसने कहा ?

.....

किससे कहा ?

.....

घ) सही जोड़े बनाओ:

१. कालिंग

अ. मीठी आवाज़

२. बाघ

ब. आँसू

३. गाय

क. ग्वाला

४. बाँसुरी

ड. प्राणी

५. आँखों से

इ. पुण्यकोटि

ङ) वाक्य में प्रयोग करो:

१. कर्नाटक

२. तुरंत

३. विश्वास

४. इंतज़ार

पाठ से आगे-

च) परीक्षा में ज़्यादा अंक पाने का वचन तुमने अपनी माँ को दिया है। बताओ इस वचन का पालन करने के लिए तुम क्या-क्या करोगे:

१. _____

२. _____

३. _____



पाठ - १२

संगी-साथी

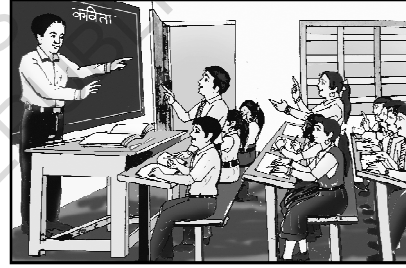


- जगदीश आर्य

इस कविता में बच्चों को मित्रता का महत्व समझाया गया है ।

संगी-साथी, प्यारे-प्यारे ।
घर से आते, न्यारे-न्यारे ॥
माता-पिता के राजदुलारे ।
विद्यालय में मिलते सारे ॥

सभी यहाँ पर पढ़ने आते ।
उत्तम शिक्षक उन्हें पढ़ाते ॥
लिखते-पढ़ते, आते-जाते ।
आपस में साथी बन जाते ॥



इक दूजे का साथ निभाते ।
बिना मिले सुख-चैन न पाते ॥
जो भी खाना घर से लाते ।
साथ-साथ मिल-जुलकर खाते ॥

बुरी भावना मन से भागे ।
प्यार-मित्रता सब में जागे ॥
वैर-विरोध क्यों करें लड़ाई?
सब आपस में भाई-भाई ॥



शब्दार्थ :

संगी-साथी – मित्र, दोस्त ; प्यारा – प्रिय, जो अच्छा लगे;
राजदुलारा – प्यारा, विद्यालय – पाठशाला, उत्तम – श्रेष्ठ, बढ़िया;
निभाना – पूरा करना, चैन – शांति, दूजा – दूसरा, वैर – शत्रुता,
दुश्मनी ; लड़ाई – झगड़ा, युद्ध ।

अभ्यास

अ) इन प्रश्नों के उत्तर लिखो :

१. संगी-साथी कहाँ से आते हैं? और कहाँ मिलते हैं ?

.....
.....

२. संगी-साथी किसके राजदुलारे हैं ? वे विद्यालय में क्या करने आते हैं?

.....
.....

३. साथी कब बन जाते हैं ? और कैसे साथ निभाते हैं?

.....
.....

४. मन से बुरी भावना निकल जाने से क्या होता है?

.....

५. आपस में मित्रता जगाने के लिए क्या करना चाहिए?

.....

आ) सही शब्द चुनकर खाली जगह भरो :

१. में मिलते सारे । (मंदिर, विद्यालय)

२. उत्तम हमें पढ़ाते । (विद्यार्थी, शिक्षक)

३. इक दूजे का निभाते । (साथ, हाथ)

४. बिना मिले न पाते ।

(सुख-चैन, सुख-दुःख)

५. साथ-साथ खाते । (मिल-जुलकर, खाना)

६. बुरी भावना से भागे । (तन, मन)

७. सब में जागे । (प्यार-मित्रता, वैर-विरोध)

८. सब में भाई-भाई । (वापस, आपस)

इ) विरुद्धार्थक शब्द लिखो :

१. बुरा ×

२. सुख ×

३. चैन ×

४. मित्र ×

५. मिलना ×

६. सोना ×

ई) मिलते-जुलते शब्द लिखो:

१. संगी -

२. प्यारे -

३. आते -

४. सुख -

५. मिल -

६. वैर -

उ) अन्य वचन शब्द लिखो:

१. माता -

२. साथी -

३. शिक्षक -

४. घर -

५. भावना -

६. मित्र -

७. लड़ाई -

ऊ) पढ़ो और लिखो :

१. विद्यालय
२. शिक्षक
३. पढ़ना
४. निभाना
५. भावना
६. आपस

ऋ) सही शब्द के सामने (✓) चिह्न लगाओ :

- | | | | |
|--------------|--------------------------|----------|--------------------------|
| १. राजदुलारे | ☐ | राजदुलरे | ☐ |
| २. विद्यालय | ☐ | विधालय | ☐ |
| ३. शिक्षक | ☐ | शीक्षक | ☐ |
| ४. गालि | ☐ | गाली | ☐ |
| ५. वैर | ☐ | वेर | ☐ |
| ६. बुरी | ☐ | बुरि | ☐ |
| ७. लड़ाई | ☐ | लड़ाइ | ☐ |

ए) नीचे लिखे वाक्यों को सही क्रम से लिखो:

१. पिता-माता राजदुलारे के ।

.....

२. हमें पढ़ाते शिक्षक उत्तम ।

.....

३. दूजे-इक साथ का निभाते ।

.....

४. भागे बुरी मन भावना से ।

.....

५. मिलते में सारे विद्यालय ।

.....

ऐ) सही जोड़े मिलाओ :

१. आपस में

१. मिल-जुलकर खाते

२. बिना मिले

२. घर से लाते

३. जो भी खाना

३. साथी बन जाते

४. साथ-साथ

४. सुख-चैन न पाते

५. प्यार-मित्रता

५. भाई-भाई

६. सब आपस में

६. सब में जागे

ओ) नीचे लिखे शब्दों से वाक्य बनाओ :

१. राजदुलारे -
२. विद्यालय -
३. शिक्षक -
४. मिल-जुलकर -
५. मित्रता -

कविता से आगे-

औ) सही जोड़े मिलाओ :

- | | |
|--------------------------------|------------|
| १. जो डरता नहीं है वह | १. गड़रिया |
| २. टाट का बड़ा थैला | २. महंगाई |
| ३. चीज़ों की कीमतें बढ़ना | ३. कोयल |
| ४. भेड़-बकरियों को पालनेवाला | ४. निडर |
| ५. मीठी आवाज़वाली काली चिड़िया | ५. बोरा |

क) परिवार

पिता के पिता को दादा कहते हैं ।

नीचे दिए गए रिश्तों को तुम अपने घर में क्या कहकर बुलाओगे ?

पिता के पिता	माता के पिता
पिता की माँ	माता की माँ
पिता का बड़ा भाई	माता का भाई
पिता की बहन	माता की बहन
पिता का छोटा भाई	बहन का पति

ख) अपने बारे में बताओ :

तुम्हारे कितने साथी हैं? उनके नाम लिखो:

गली में	स्कूल में

ग) समान अर्थवाले शब्द लिखो :

बादल

शाम

धरती

मार्ग

पानी

पर्वत

घ) चलो, खेल खेलो -

तुम अपने मित्रों के साथ कौन-कौन से खेल खेलते हो? लिखो :

.....
.....
.....

ङ) शब्दों का मेल -

वर्गेतर शब्द पर गोला लगाओ:

बारिश - पानी, गीला, बादल, मैसूरु

घर - दरवाजा, खिड़की, साबुन, दीवार

सूरज - रेलगाड़ी, धूप, पसीना, गरमी

कटोरी - कड़ाही, तश्तरी, चूल्हा, गिलास

च) पढ़ो और जानो :

१. स्कूल आते वक्त समवस्त्र पहनो ।
२. सही समय पर स्कूल में रहो ।
३. प्रार्थना के लिए हाज़िर रहो ।
४. साथियों से स्नेह से रहो ।
५. कक्षा में मन लगाकर पाठ सुनो ।
६. स्कूल का परिसर साफ़ रखो ।
७. अपने अध्यापक का आदर करो ।



भारतरत्न सर. एम. विश्वेश्वरय्या



इस पाठ में सर. एम. विश्वेश्वरय्या जी की प्रतिभा और देशसेवा का परिचय दिया गया है।

कर्नाटक राज्य में कई ऐसे महापुरुष पैदा हुए हैं जिन्होंने अपने तन-मन-धन से भारत की सेवा की है। श्री मोक्षगुंडम विश्वेश्वरय्या बड़े प्रतिभाशाली थे। उन्होंने अपनी कार्य-क्षमता का परिचय देकर देश-विदेश में नाम कमाया। वे कर्नाटक के सुपुत्र हैं।



सर.एम. विश्वेश्वरय्या का जन्म 15 सितंबर 1861 को कोलार जिले के चिक्कबल्लापुर तालूका (आज यह जिलाकेंद्र है) के मुद्देनहल्लि नामक गाँव में हुआ। इनके पिता का नाम श्रीनिवास शास्त्री और माता का नाम वेंकम्मा था।

सर.एम. विश्वेश्वरय्या बेंगलूरु के सेंट्रल कॉलेज से बी. ए. की तथा पुणे के विज्ञान महाविद्यालय से इंजीनियरिंग डिग्री की परीक्षाओं में उत्तीर्ण हुए। तुरंत ही उन्हें बंबई (मुंबई) सरकार में सहायक इंजीनियर की नौकरी मिली। उन्होंने नासिक, पुणे, खानदेश वगैरह प्रदेशों में अपना कौशल दिखाकर सरकारी महकमे में अच्छा नाम कमाया।

सर.एम. विश्वेश्वरय्या सन् 1909 में मैसूरु राज्य के मुख्य इंजीनियर बने। उन्होंने मैसूरु रियासत की तरक्की में अपना सारा समय लगाया। वे सन् 1912 में मैसूरु रियासत के दीवान बने। इस समय उन्होंने कृष्णराज सागर बाँध, भद्रावती लोहा-इस्पात कारखाना, भद्रावती कागज कारखाना, मैसूरु बैंक, कन्नड साहित्य परिषद् आदि की स्थापना में योग दिया।

सर.एम. विश्वेश्वरय्या ने सन् 1921 में दीवान पद को त्यागपत्र दे दिया । उनके अथक परिश्रम से कर्नाटक राज्य का सर्वांगीण विकास हुआ । भारत सरकार ने सर.एम. विश्वेश्वरय्या को सन् 1955 में 'भारत रत्न' सर्वोच्च अलंकरण से सम्मानित किया । 14 अप्रैल, सन् 1962 को बेंगलूरु में उनका देहांत हो गया ।

शब्दार्थ:

कार्यक्षमता – काम करने की शक्ति, कौशल – चतुराई, कमाना – पाना, वगैरह – आदि, महकमा – विभाग, प्रशंसा – तारीफ़, रियासत – देशी संस्थान, सर्वोच्च – सबसे बड़ा, देहांत होना – मर जाना, तरक्की – उन्नति, योग – मदद, अथक – बिना थके।

अभ्यास

क) एक वाक्य में उत्तर लिखो :

१. विश्वेश्वरय्या का जन्म कहाँ हुआ ?
.....
२. विश्वेश्वरय्या के माता-पिता का नाम क्या था ?
.....
.....
३. विश्वेश्वरय्या ने बी. ए. की परीक्षा कहाँ से उत्तीर्ण की ?
.....
४. विश्वेश्वरय्या किस रियासत के दीवान बने ?
.....
५. विश्वेश्वरय्या ने दीवान पद का त्याग कब किया ?
.....

६. विश्वेश्वरय्या को किस अलंकरण से सम्मानित किया गया ?
.....

७. विश्वेश्वरय्या का देहांत कब हुआ ?
.....

ख) नमूने के अनुसार शब्द बनाओ:

भारत - भारतीय

देश -

नगर -

प्रांत -

ग) नमूने के अनुसार शब्द बनाओ :

जैसे - कर



घ) वाक्यों में प्रयोग करो :

१. प्रतिभाशाली -

.....

२. तरक्की -

.....

३. दीवान –

.....

४. परिश्रम –

.....

ड) सही जोड़े मिलाओ:

- | | |
|-----------------------------|----------|
| १. विश्वेश्वरय्या का जन्म | सन् 1955 |
| २. मुख्य इंजीनियर | सन् 1921 |
| ३. मैसूरु रियासत के दीवान | सन् 1962 |
| ४. दीवान पद को त्यागपत्र | सन् 1861 |
| ५. 'भारत रत्न' सम्मान | सन् 1909 |
| ६. विश्वेश्वरय्या का देहांत | सन् 1912 |

च) सर.एम. विश्वेश्वरय्या ने अपना कौशल दिखाकर अच्छा नाम कमाया। अब बताओ अपने कौशल के बारे में:

तुम्हारे कौशल को पहले किसने पहचाना? _____

कौन-सा कौशल है? _____

कोई पुरस्कार मिला? _____

पुरस्कार किस दिन मिला? _____

छ) सर.एम. विश्वेश्वरय्या के समान 'भारत रत्न' उपाधि पानेवालों के नाम बताओ।

पाठ से आगे – सर सी.वी.रामन के बारे में जानकारी प्राप्त करो।





इस पाठ में पक्षीधाम के परिचय के साथ उसकी विशेषता का संक्षिप्त परिचय दिया गया है ।

प्यारे बच्चो, तुमने कभी-कभी आकाश में पक्षियों को झुंडों में उड़ते देखा होगा । वह दृश्य कितना सुंदर होता है न? ऐसे समय में रंग-बिरंगे और छोटे-बड़े पक्षी एक ही जगह एक साथ कलरव करते पाये जाते हैं तो कैसे लगेगा! बहुत ही सुहाना लगेगा न वह दृश्य!



पेइंटेड स्टार्क

कर्नाटक राज्य के मंड्या जिले में रंगनतिट्टु नामक एक सुंदर प्रदेश है । कल-कल बहता हुआ कावेरी नदी का प्रवाह, सैकड़ों की संख्या में तरह-तरह की चिड़ियाँ पेड़ की शाखाओं पर पंख फड़फड़ाती हुई दिखाई देंगी । कई प्रकार के पक्षियों का निवासस्थान होने के कारण इस प्रदेश को पक्षीधाम कहते हैं ।

रंगनतिट्टु इतिहास-प्रसिद्ध श्रीरंगपट्टण से तीन किलो मीटर की दूरी पर है । यह मैसूरु शहर से 16 किलोमीटर की दूरी पर है । रंगनतिट्टु की प्राकृतिक शोभा निराली है । सचमुच यह प्रकृति-माता का वरदान है ।

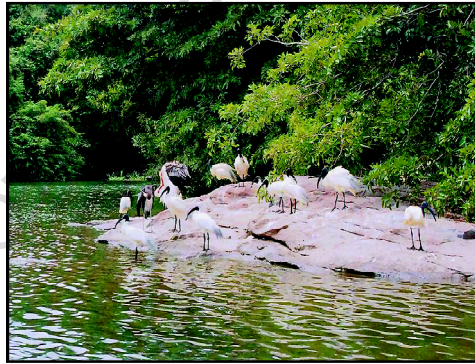
रंगनतिट्टु एक छोटा-सा पक्षीधाम है। इसकी परिधि 67 किलोमीटर है। यह प्रदेश छः छोटे-छोटे जलाशयों से घिरा हुआ है। हर साल जून से लेकर नवंबर तक देश-विदेशों से नाना प्रकार के पक्षी यहाँ आकर बसते हैं। वे बच्चों को जन्म देकर एक-दो महीने रहकर स्वदेश लौट जाते हैं। नवंबर-दिसंबर के समय हज़ारों सैलानी इन पक्षियों को देखने यहाँ आते हैं।



ओपेंड बिल स्टार्क



स्नोई एग्रेट



वाइट इबिस

रंगनतिट्टु जलाशय में भयंकर मगर भी पाये जाते हैं। रंगनतिट्टु पक्षीधाम का दर्शन करना एक मधुर और यादगार अनुभव है।

शब्दार्थ :

आकाश - आसमान, गगन ; झुंड - समूह , कलरव - पक्षियों का चहकना , सुहाना - सुंदर , पंख - पर , पक्षीधाम - पक्षियों का निवास-स्थान , शोभा - सुंदरता, निराली - अद्भुत, परिधि - विस्तार, नाना प्रकार - कई तरह , बसना-रहना , सैलानी-यात्री, स्वदेश - अपना देश, यादगार - याद रखने योग्य, न भुला देनेवाला ।

अभ्यास

क) नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखो :

१. रंगनतिट्टु किस जिले में है ?
.....
२. रंगनतिट्टु श्रीरंगपट्टणा से कितनी दूरी पर है?
.....
३. रंगनतिट्टु मैसूरु से कितनी दूरी पर है?
.....
४. रंगनतिट्टु क्या है?
.....
५. रंगनतिट्टु में किस समय पक्षी आकर बसते हैं ?
.....
६. रंगनतिट्टु देखने सैलानी कब आते हैं ?
.....

ख) सही शब्द चुनकर खाली जगह भरो :

१. जिले में रंगनतिट्टु नामक एक सुंदर प्रदेश है । (मैसूरु / मंड्या)

२. पक्षियों के निवास-स्थान को कहते हैं। (पक्षीधाम / चिड़ियाघर)
३. रंगनतिट्टु से तीन किलोमीटर की दूरी पर है। (मंड्या / श्रीरंगपट्टणा)
४. के समय हजारों सैलानी पक्षियों को देखने रंगनतिट्टु आते हैं। (नवंबर-दिसंबर / अक्तूबर-नवंबर)
५. रंगनतिट्टु जलाशय में भयंकर भी पाये जाते हैं। (मगर / पक्षी)

ग) सही शब्द के सामने (✓) चिह्न लगाओ :

दृश्य	☐	द्रश्य	☐
सूहाना	☐	सुहाना	☐
संख्या	☐	संक्या	☐
पक्षि	☐	पक्षी	☐
जलाशय	☐	जलाषय	☐
अनूभव	☐	अनुभव	☐

घ) सही क्रम में लिखो:

१. सुंदर है न होता कितना वह दृश्य !
.....
२. पक्षीधाम कहते इस प्रदेश को हैं।
.....
३. निराली शोभा है प्राकृतिक रंगनतिट्टु की।
.....

ड) विलोम शब्द लिखो :

- | | |
|-------------------|------------------|
| १. सुंदर × | ४. वरदान × |
| २. स्वदेश × | ५. यहाँ × |
| ३. आकाश × | ६. दूर × |

च) अन्य वचन शब्द लिखो:

- | | |
|--------------------|-------------------|
| १. चिड़िया - | ४. यात्री - |
| २. शाखा - | ५. दृश्य - |
| ३. पक्षी - | |

छ) समान अर्थवाले शब्द लिखो :

- | | |
|---------------|-----------------|
| १. आकाश | ४. सुहाना |
| २. झुंड | ५. सैलानी |
| ३. कलरव | |

पाठ से आगे -

ज) कर्नाटक में पक्षीधाम कहाँ-कहाँ हैं, अध्यापक से पूछो और जानो।

झ) मैसूरु चिड़ियाघर के कुछ विशेष जानवरों की सूची बनाओ।

.....

.....

.....





तीनों बंदर महाधुरंधर

— शेरजंग गर्ग

इस कविता में जीवन के लिए अच्छी और उपयोगी बातें बताई गई हैं ।

गांधीजी के तीनों बंदर
पहुँचे चिड़ियाघर के अंदर
तीनों निकले महाधुरंधर ।

एक लगाये बैठा चश्मा
देख रहा रंगीन करिश्मा
अच्छाई कम, अधिक बुराई
भले-बुरों में हाथापाई
खूब हुआ दुष्टों से परिचय
मन ही मन कर बैठा निश्चय
दुष्ट जनों से सदा लड़ेगा
इस चश्मे से रोज़ पढ़ेगा ।



दूजा बैठा कान खोलकर
देखो कोई बात बोलकर
बुरा सुनेगा, सही सुनेगा
जो अच्छा है वही गुनेगा ।

और तीसरा मुँह खोले हैं
बातों में मिसरी घोले हैं
मीठा सुनकर ताली देता
नहीं किसी को गाली देता ।

आया नया ज़माना आया
नया तरीका सबको भाया
तीनो बंदर बदल गए हैं
तीनों बंदर सँभल गए हैं ।

शब्दार्थ:

चिड़ियाघर-वह स्थान जहाँ कई तरह के पशु-पक्षी पाले जाते हैं, महाधुरंधर - बड़ा, श्रेष्ठ ; हाथापाई - लड़ाई, झगड़ा ; करिश्मा - चमत्कार, खूब - बहुत, दुष्ट - बुरा आदमी, रोज़ - प्रति दिन, दूजा - दूसरा, मिसरी - मधुरता (इस कविता में), गुनना - समझना, तरीका - उपाय, ढंग ; सँभलना - सचेत होना ।

गांधीजी के तीन बंदर



बुरा मत बोलना, बुरा मत देखना, बुरा मत सुनना

अभ्यास

क) नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखो :

१. गांधीजी के तीन बंदर कहाँ गए ? और क्या बनकर वहाँ से निकले ?

.....
.....

२. पहला बंदर कैसा बैठा है? और क्या देख रहा है?

.....
.....

३. पहला बंदर किससे परिचित हुआ और उसने मन में क्या निश्चय किया?

.....
.....

४. दूसरा बंदर कैसा बैठा है? उसने क्या निश्चय किया?

.....

५. तीसरा बंदर कैसा है? उसकी बातें कैसी हैं?

.....

६. नया तरीका सब को कैसा लगा?

.....
.....

ख) सही शब्द चुनकर खाली जगह भरो :

१. गांधीजी के तीनों बंदर पहुँचे ।
(चिड़ियाघर / घर)
२. तीनों बंदर बन कर निकले ।
(महाशत्रु / महाधुरंधर)
३. पहला बंदर लगाए बैठा है ।
(टोपी / चश्मा)
४. दूसरा बंदर खोलकर बैठा है ।
(कान / मुँह)
५. तीसरा बंदर खोलकर बैठा है ।
(मुँह / कान)
६. तीनों बंदर गए हैं । (भाग / सँभल)

ग) सही शब्द के सामने (✓) चिह्न लगाओ :

गांधी	☐	गांधि	☐
पहुँच	☐	पहूँच	☐
परिचय	☐	परीचय	☐
मुह	☐	मुँह	☐
गाली	☐	गालि	☐
तरीका	☐	तरिका	☐

घ) सही क्रम में लिखो :

१. तीनों के गांधीजी बंदर पहुँचे चिड़ियाघर।

.....

२. बैठा चश्मा लगाए एक।

.....

३. परिचय दुष्टों से खूब हुआ।

.....

४. चश्मे से रोज़ इस पढ़ेगा।

.....

५. हैं तीनों सँभल बंदर गए।

.....

च) विलोम शब्द लिखो :

अच्छाई ×

मीठा ×

दुष्ट ×

भला ×

परिचित ×

सही ×

छ) अन्य वचन शब्द लिखो :

बंदर -

चश्मा -

जन -

नया -

ताली -

गाली -

तरीका -

ज) समान अर्थवाले शब्द लिखो :

१. मिसरी -
२. तरीका -
३. करिश्मा -
४. हाथापाई -

झ) क्रिया शब्द :

कामवाले शब्दों को क्रिया कहते हैं। इस कविता में आयी हुई क्रियाएँ या कामवाले शब्द छाँटो और नीचे लिखो:

.....

.....

.....

कविता से आगे -

समझो और लिखो :

ज) खाली जगह भरो :

१. एक पालतू जानवर है ।
२. एक पालतू पक्षी है ।
३. दूध देनेवाली एक पालतू जानवर है ।
४. एक जंगली जंतु है ।

ट) तरह-तरह के नाम :

तुम्हारे आस-पास कौन-कौन से पक्षी पाए जाते हैं? उनकी सूची बनाओ। जिन पक्षियों के नाम तुमको मालूम नहीं हैं, उन्हें पता करो।

ठ) हमें पहचानो :

१. घर में आता हूँ।

सारी चीज़ें कुतर जाता हूँ।

२. मैं काली हूँ।

मीठा गाना गाती हूँ।

३. मैं हरा हूँ।

मेरी चोंच लाल है। हरी मिर्ची खाता हूँ।

४. सिर पर ताज है।

दुम पर आँखें हैं। बादल देखकर नाचता हूँ।





सविता की बहादुरी

इस पाठ में अपने सहपाठी की जान बचानेवाली एक बालिका का साहस चित्रित किया गया है।

“माँ! माँ! मुझे जल्दी से नाश्ता दे दो। स्कूल के लिए देर हो जाएगी।” - सविता ने कहा।

“दे रही हूँ बेटी। अरे! रोज़ इसी समय तो जाती हो, फिर आज इतना शोर क्यों मचा रही हो?” - कहते हुए माँ ने नाश्ता उसके हाथ में थमा दिया। बेलगाँव में रहने वाली पाँच साल की सविता की पाठशाला नज़दीक ही थी।

उस दिन उसने जल्दी स्कूल पहुँचने की कोशिश की थी। फिर भी देर हो गयी।

जब वह स्कूल पहुँची तो प्रार्थना शुरू हो चुकी थी। उसे देर से आनेवाले बच्चों की कतार में खड़ा होना पड़ा। सविता अलग पंक्ति में खड़े होकर दूसरे बच्चों की ओर देख रही थी। सहसा उसकी नज़र रमेश पर पड़ी। रमेश उसका सहपाठी था। रमेश के पाँव से एक साँप लिपट रहा था। जब सविता ने उसकी यह हालत देखी तो एकदम चिल्ला उठी “साँप.....साँप.....”

“अरे कहाँ है साँप?” एक अध्यापिका ने सविता से पूछा। सविता ने रमेश के पाँव की ओर इशारा किया।



साँप को देखते ही बच्चों में भगदड़ मच गई। सभी अपने बचाव के लिए इधर-उधर दौड़ पड़े। किसी ने भी रमेश को बचाने की ओर ध्यान नहीं दिया। पर सविता से रमेश की यह हालत देखी न गई। वह झट से दौड़कर एक डंडा लायी। उसने रमेश के पाँव से साँप को उठाकर दूर फेंक दिया।

इस बीच कुछ लोग डंडे लेकर आए। लेकिन तब तक साँप जा चुका था। सभी ने उसके साहस की प्रशंसा की।

रमेश की जान बचाने के लिए सविता को पाठशाला के वार्षिक समारोह में "सर्वश्रेष्ठ छात्रा" का पुरस्कार दिया गया। अगले गणतंत्र दिवस पर उसे "राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार" से भी सम्मानित किया गया।

शब्दार्थ :

थमाना – रखना, नज़दीक-पास, कोशिश-प्रयत्न, सहसा-अचानक।

अभ्यास

क) उत्तर लिखो :

१. घर में कौन शोर मचा रहा था?
.....
२. सविता की आयु क्या थी?
.....
३. सविता अलग पंक्ति में क्यों खड़ी थी?
.....
४. सविता ने प्रार्थना-सभा में क्या देखा?
.....
५. साँप किसके पाँव से लिपट रहा था?
.....
६. साँप को देखते ही बच्चों में क्या हुई?
.....
७. रमेश की जान किसने बचायी?
.....
८. गणतंत्र-दिवस पर सविता को कौन-सा पुरस्कार दिया गया?
.....

ख) कोष्ठक में दिये गये शब्दों से खाली जगह भरो :

[डंडा, नाश्ता, बचाव, सर्वश्रेष्ठ छात्रा]

१. मुझे जल्दी से दे दो ।
२. बच्चे अपने के लिए इधर-उधर दौड़ पड़े ।
३. वह झट से दौड़कर एक लायी ।
४. वार्षिक समारोह में का पुरस्कार दिया गया ।

ग) विलोम शब्द लिखो :

जल्दी ×

नज़दीक ×

लेना ×

घ) अन्य लिंग रूप पहचानकर निशान लगाओ :

बेटा अध्यापिका

माता बेटी

अध्यापक छात्रा

छात्र पिता

ङ) अन्य वचन रूप लिखो :

पाठशाला -

अध्यापिका -

पंक्ति -
नज़र -
बेटी -

च) इन शब्दों को ठीक तरह से लिखने का अभ्यास करो :

सर्वश्रेष्ठ			
गणतंत्र			
राष्ट्रीय			
वार्षिक			
पुरस्कार			

छ) इन शब्दों का शुद्ध रूप लिखो :

कोशीश	
पुरस्कार	
प्रार्तना	

पाठ से आगे- 'राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार' के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करो।



गिनती : 1-50

26	२६	छब्बीस	39	३९	उनतालीस
27	२७	सत्ताईस	40	४०	चालीस
28	२८	अट्ठाईस	41	४१	इकतालीस
29	२९	उनतीस	42	४२	बयालीस
30	३०	तीस	43	४३	तैंतालीस
31	३१	इकतीस	44	४४	चवालीस
32	३२	बत्तीस	45	४५	पैंतालीस
33	३३	तैंतीस	46	४६	छियालीस
34	३४	चौंतीस	47	४७	सैंतालीस
35	३५	पैंतीस	48	४८	अड़तालीस
36	३६	छत्तीस	49	४९	उनचास
37	३७	सैंतीस	50	५०	पचास
38	३८	अड़तीस			

शब्द-भंडार

अ

अक्सर
अचानक
अच्छाई
अनुमति

आ

आँगन
आदमी
आदत
आदर
आदर्श
आनंद
आम
आयु
आसमान

इ

इच्छा
इस्तेमाल
इस्पात

ई

ईमानदारी

उ

उत्तम
उत्तीर्ण
उत्सव
उदाहरण
उपहार

ऊ

ऊँचा
ऊपर

अं

अंदर
अंधी

क

कदम
कर्नाटक
करिश्मा
कलात्मक

कलाकार

कसम

कहानी

कागज़

काँपना

काँवर

ख

खर्च
खज़ाना
खिलौना
खुश

खूब

खेल

ग

गरजना

गलती

गाना

गाली

गिड़गिड़ाना

गुफ़ा

गेंद

घ

घटना
घबराना

च

चश्मा
चिड़ियाघर
चिंता
चूहा
चैन

ज

जंगल

जनता

ज़माना

जल्दी

जलाशय

जयंती

ज़रूरी

झ

झंडा
झुक

ट

टहलना
टूटना

ड

डंडा
डर

त

तगड़ा
तन
ताली
तीर्थस्थान
तुरंत
तैयार

द

दबोचना
दयालु

दरबार

दाँत
दूकान
दूर
देर
देश
दौड़

ध

धन
धन्यवाद
धारा
धुलना
ध्यान

न

नाखून
नज़र
निराला
निवासी
निश्चय
नींद
नीचे
नौकरी

प

पंजा
पछताना
पदवी
परिचय
परिषद्
परीक्षा
पसंद
पक्षीधाम
पाठशाला
पार
पाँव
पीठ
पीली
पुत्र
पुण्यधाम
पुरस्कार
पुराना
पुरुष
प्रवाह
प्रार्थना
प्रिय
पूर्ति

प्रतीक्षा

प्रशंसा
पैना
प्यारा

फ

फँसना
फरार

ब

बच्चा
बछड़ा
बढ़िया
बत्ती
बड़ा
बेड़ा
बूढ़ा
बाघ
बाँध
बुझना
बाँसुरी

भ

भक्ति
भगवान
भटकना
भयानक
भाग
भावना
भूख
भूल

म

मज़बूत
मज़ेदार
मत
मदद
मन
मनचाहा
मनोरंजन
महकमा
महत्व
महाधुरंधर

माफ़
महान
मिलना
मिसरी
मीठा
मुक्त
मुसीबत
मुख्य
मैदान

य

यात्री
यादगार

र

रंग-रंगीला
रक़म
रक्त
रसीला
राजदुलारा
राजधानी
राज्य
रास्ता

राय

रूप

ल

लंगड़ा
ललचाना
लाल
लालच
लोहा
लौटना

व

वनराज
वर्दी
वर्ष
विकास
विद्यालय
विदेश
विरोध
विषय
विश्वास

श

शत्रु
शाखा
शान
शाम
शिकारी
शिक्षक
शीश
शेर
शोभा

स

संख्या
संगम
संगी
सच्चाई
सत्य
सँभल
सरकार
सफ़ाई
साबुन
सावन
सामर्थ्य

साहस
साथी
साँप
स्वदेश
स्वयं
स्वाद
स्वर्ण
स्थापना
सुझाव

सुख
सुबह
सुंदर
सुहाना
सिंचाई
सैलानी
सुपुत्र
सैर
स्थान

ह

हफ़्ता
हरा
हवा
हाथी
हालत
हाथापाई
हथेली
हार
हिम्मत

क्ष

क्षमता

